**इस्पात मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव)** : (क) मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के उकवा भारवेली और तिरोडी मैंगनीज खानों से तांबे का उत्खनन नहीं किया जाता।

(ख) उपरोक्त खानें मैंगनीज अयस्क खानें हैं जो सरकारी क्षेत्र के उपक्रम मैंगनीज और इण्डिया लिमिटेड (मॉयल) की हैं। इन खानों से निकाला गया मैंगनीज अयस्क परिष्कृत नहीं किया जाता और खानों में ही हस्तगत छंटाई और जिग्गिंस के जरिए परिसज्जित किया जाता और उसके बाद इसे सीधे फैरो मैंगनीज उत्पादकों और एकीकृत इस्पात संयंत्रों को बेचा जाता है।

(ग) जी, नहीं। बालाघाट जिले में फैरो मैंगनीज संयंत्र की स्थापना करने के लिए सरकार का कोई विचार नहीं है।

**तांबे की ढलाई**

767. **श्री शिवप्रसाद चनपुरिया** : क्या **खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में बालाघाट जिले की मलंजखंड परियोजना क्षेत्र से वर्ष 1991–92 से 31 मार्च, 1993 तक कितनी मात्रा में तांबा निकाल कर खेतड़ी (राजस्थान) भेजा गया;

(ख) खेतड़ी भेजे जाने वाले तांबे के ढुलाई पर भाड़े के रूप में कितनी धनराशि का भुगतान किया गया;

(ग) क्या संपूर्ण तांबा सड़क मार्ग से भेजा गया और सड़क मार्ग तथा रेल मार्ग दोनों से भेजे जाने वाले तांबे की पृथक-पृथक मात्रा का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार तांबे के परिवहन में होने वाले खर्चे और समय को बचाने हेतु परियोजना क्षेत्र में ही ताम्रशोधक कारखाने की स्थापना करने का विचार रखती है?

**खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव)** : (क) से (ग) वर्ष 1991–92 के दौरान 31 मार्च, 1993 तक हिन्दुस्तान कापर लि० (एचसीएल) की मलंजखंड तांबा परियोजना में सान्द्रगत धातु का उत्पादन, खेतड़ी कापर कम्पलेक्स (केसीसी), राजस्थान को प्रेषण तथा सड़क और रेल द्वारा प्रेषित मात्रा और परिवहन पर भुगतान की गई राशि का ब्यौरा नीचे दिया गया है :–

| क्रम सं० | मद | 1991–92 | 1992–93 |
|---|---|---|---|
| 1. | सांद्रगत धातु का उत्पादन (टन में) | 24,613 | 24,023 |
| 2. | मलंजखंड से खेतड़ी कापर कम्पलेक्स को प्रेषित सान्द्रगत धातु | | |
| | (क) रेल से (टन में) | 11,260 | 9,185 |
| | (ख) सड़क से (टन में) | 5,730 | 9,799 |
| | कुल : | 16,990 | 18,984 |
| 3. | परिवहन पर भुगतान की गई कुल राशि (लाख रु० में) | 534 | 701 |

(घ) मलंजखंड में स्मैल्टर/रिफाइनरी स्थापित करने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है।